through the Central Institute of Indian Languages, Mysore:

(i) Preparation of instructional materials in tribal languages;

(ii) Publication of phonetic readers, grammars, multilingual dictionaries and folk literature etc.;

(iii) In-service training in language teaching;

(iv) Organisation of orientation camps, workshops for material production and training in language teaching for language teachers.

The financial provision for work on tribal and border languages is Rs. 3 25 lakhs approximately.

(b) The total number of mother tongues returned by Scheduled Tribes in 1961 census is 304 which have been classified into 101 languages by the linguistists of the census. Three languages viz. Santhali, Savera and Kurukh are said to have invented a new script or discovered an old script.

(c) Since from the point of view of educational and economic advantages, the speakers of tribal languages must transfer to the State language at some point in their education, the State Government and others have been advised that the tribal languages may follow a modified version of the script of the State language for educational purposes.

Rehabilitation of Local Tribal persons in Dandakaranya Project

4347. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) steps taken by his Ministry and Government of Orissa to rehabilitate the displaced and misplaced local tribal persons in Dandakara Project and Potteru Irrigation project so far;

(b) total number of refugee families rehabilited in that zone and left the place so far; and

(c) allocation made for the year 1977-78 for refugee development and tribal development by his Ministry?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) The question of rehabilitation of local tribals likely to be displaced as a result of the Satiguda Dam Project in Dandakaranaya is being considered by the Dandakaranaya Development Authority in consultation with the Government of Orissa. No such tribals have been displaced in the Potteru Irrigation Project areas.

(b) 12,621 families were rehabilitated in Malkangiri Zone as on 31-1-1978 of whom 3,687 had deserted by that date In addition, 3,772 settlers left rehabilitation sites between 1-2-1978 and 18-3-1978.

(c) An amount of Rs 440 lakhs has been provided for refugees and tribal development in Dandakaranaya Project during the year 1977-78.

उकई सिंचाई परियोजना

4348. श्री छीतूभाई गामित : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उकई सिंचाई परियोजना पर अब तक हुए व्यय और आगे होने वाले व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना के दाएं और बांएं किनारों पर नहरों से कितनी एकड़ भूमि की सिंचाई होगी तथा इस समय इन नहरों से दोनों किनारों पर कितनी एकड़ भूमि की सिंचाई हो रही है;

(ग) समूचे कमांड क्षेत्र में भूमि पर पानी के उपलब्ध न होने के क्या कारण

हैं तथा कमाड क्षेत्र की समूची भूमि के लिए पानी कब तक उपलब्ध होगा तथा इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है अथवा करने का विचार है, और

(घ) क्या यह सच है कि बाध से कुछ दूरी पर नहर के बाएं किनारे में दो बार दरार पड़ी और यदि हां तो उसका ब्योरा क्या है और क्या भारत सरकार बाध तथा नहरों के कार्य की जांच करने हेतु प्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञों का केन्द्रीय दल पुन भेजेगी और यदि हां, तो उसका कब तक भेजा जाएगा ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) इस समय उकई सिंचाई परियोजना पर 121 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। 1977-78 के अन्त तक इस परियोजना पर 118 42 करोड़ रुपये खर्च हो जाने की प्रत्याशा है। इस प्रकार बाकी 2 58 करोड़ रुपये खर्च किये जाने है।

(ख) इस परियोजना से 1 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की वार्षिक सिंचाई करने की परिकल्पना की गई है। 0 68 लाख हैक्टेयर क्षेत्र दायें किनारे पर और 0 85 लाख हैक्टेयर क्षेत्र बायें किनारे पर। 1977-78 के अन्त तक 1 47 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की 0 64 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की दायें किनारे पर और 0 83 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की बायें किनारे पर-सिंचाई शक्यता का सृजन हो जाने की आशा है। लेकिन वस्तुत 33000 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हुई।

(ग) कमान क्षेत्र विशेषकर बायीं नहर प्रणाली के अन्तर्गत क्षेत्र मैदानी है जिसमें फील्ड चैनलों के निर्माण के अलावा भूमि को समतल बनाया जाना और सही रूप दिया जाना जरूरी है।

अब तक सृजित सिंचाई शक्यता का इष्टतम उपयोग करने के उद्देश्य से कमान क्षेत्र के एकीकृत विकास के लिए कमान क्षेत्र विकास-प्राधिकरण की स्थापना की गयी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिक जोर आन-फार्म विकास कार्यों पर दिया गया है जिनमें सिंचाई और जल-निकास के लिए फील्ड-चैनलों का निर्माण करना और भूमि को समतल बनाना/सही रूप देना शामिल है। अगले पांच वर्षों में इस परियोजना के समूचे कृषि कमान क्षेत्र को आन-फार्म विकास कार्यों के अन्तर्गत लाने का विचार है।

(घ) गुजरात सरकार से सूचना एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जाएगी।

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित फ्लैटों में सुविधायें

4349 **श्री बयाराम शाक्य** : क्या **निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्ष 1976-77 में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कितने जनता फ्लैटों का निर्माण किया,

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 4500 रुपये मूल्य के एक कमरे वाले फ्लैटों में शौचालय, जल और बिजली जैसी सुविधायें नहीं है

(ग) क्या यह भी सच है कि 30 वर्गगज के 2200 रुपये वाले फ्लैट जिनमें उपर्युक्त सभी सुविधायें हैं वर्ष 1977 में गांधी शताब्दी के अवसर पर जनकपुरी, पश्चिम राड, और सफदरजंग और विवेक विहार में अलाट किए गए थे, और

(घ) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो दिल्ली विकास प्राधिकरण